खबर संक्षेप

जयसिंह नगर में मिशनरी गतिविधियाँ तेज

जयसिंहनगर। वर्तमान समय मे स्थानीय भाजपा नेताओ के सह से ईसाई मिशनरियो द्वारा गतिविधियां तेजी से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र चलाई जा रही है। राजनैतिक स्वार्थ के चलते हिन्दुओ के ठेकेदार बनने वाले भाजपा नेता मिशनरी स्कूल के माध्यम से अपने घर का ईसाई करण कर मिशन को बढाने का काम कर रहे है। विगत दिनो मिशनरी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया , जिसमे बाहर से ईसाई मिशन के बडे फादर ने शिरकत की, उक्त कार्यक्रम मे स्थानीय भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि रावेन्द्र शर्मा उर्फ छोटू ने शिरकत कर मिशनरियों के सम्मान मे कशीदें पढ़े गये। सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह द्वारा अपनी बेटी का प्रवेश सरकारी स्कूल में करने पर सांसद प्रतिनिधि शर्मा द्वारा सोशल मीडिया पर खूबियां का बखान किया गया था, ठीक उसके विपरीत सांसद प्रतिनिधि द्वारा अपने सांसद से सीख ना लेते हुए अपने बेटे का प्रवेश ईसाई मिशनरी स्कूल में कर कर दोहरे चरित्र का परिचय दिया है। जयसिंहनगर क्षेत्र में मिशनरी स्कूलों के बाद से प्रभाव के कारण क्षेत्र में धर्मांतरण का खतरा बढ़ता जा रहा है। शहडोल क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह को गंभीरता से विचार करना होगा कि हमारे प्रतिनिधि द्वारा यदि ईसाई मिशनरियों को इसी तरह बढ़ावा दिया गया तो, ऊपर क्या जवाब दिया जाएगा।

गुड्डन पर चली गोली, शहडोल रेफर

उमरिया। जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत पांच नंबर पानी टंकी के पास अज्ञात लोगों द्वारा गुड्डन तिवारी पिता प्रदीप तिवारी उम्र 30 वर्ष पर गोली चलने का मामला सामने आया है, घायल को नजदीकी अस्पताल एसईसीएल ले जाया गया, जिसके बाद उसे शहडोल रेफर किया गया है , मौके पर पुलिस बल पहुंच के जांच में लगी है, हालाकि घटना कारित करते ही आरोपी मौके से फरार हो गये, हालाकि पुलिस जल्द आरोपियों को पकडने का दावा कर रही है।

आकाशीय बिजली गिरने से बालक सहित छह मवेशियों की मौत

शहडोल। जिले के जैतपुर और ब्यौहारी थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने की दो दर्दनाक घटनाएं सामने आईं। जैतपुर के कदौड़ी गांव में एक बालक की मौत, जबकि ब्यौहारी के नगनौडी गांव में छह मवेशियों की जान चली गई। इन घटनाओं से दोनों गांवों में शोक और दहशत का माहौल है। जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक ने जानकारी दी कि कदौड़ी गांव में बुधवार दोपहर करीब 01 बजे सरजू प्रजापति अपने 12 वर्षीय पुत्र आशीष प्रजापति और अन्य लोगों के साथ खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। उसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी और बालक आशीष उसकी चपेट में आ गया। घटना के समय वह अपने पिता से कुछ दूरी पर था। परिवारजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि आशीष सरजू का इकलौता पुत्र था, पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है, वहीं दूसरी ओर ब्यौहारी थाना क्षेत्र के नगनौडी गांव में खेत में बैठे छह मवेशी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक तेज गर्जना और चमक के साथ बिजली गिरी, जिससे सभी मवेशी झुलस गए। पंचायत को घटना की सूचना दे दी गई है, ताकि पीड़ित पशुपालकों को उचित मुआवजा मिल सके।

प्रशासन को क्षतिग्रस्त पुलिया पर हादसे का इंतजार

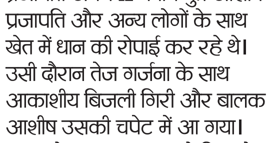

शहडोल। जिले के अमलाई थाना अंतर्गत शहडोल-अनूपपुर सीमा पर स्थित रामपुर खांडा के पास कटना नदी पर बनी पुलिया गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यह पुलिया क्षेत्रीय लोगों और राहगीरों के लिए खतरे का कारण बन गई है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि पुलिया पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं और सीमेंट के ब्लॉक्स उखड़ चुके हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। यह पुलिया अनूपपुर से जैतपुर को जोडने वाले मुख्य मार्ग का हिस्सा है,

पूर्व अधिकारी के संरक्षण में पनपा अवैध नेटवर्क

शहडोल परिवहन विभाग में अनाधिकृत कब्जा

वाहन मालिक और एजेंट परेशान, रिश्वतखोरी और अव्यवस्था का बोलबाला

परिवहन विभाग में भारी अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। 18 स्वीकृत पदों में मात्र 4 पर ही अधिकृत कर्मचारी पदस्थ हैं, जबकि अनाधिकृत व्यक्तियों ने कार्यालय पर कब्जा जमा रखा है। ये लोग न केवल विभागीय कार्य कर रहे हैं, बल्कि रिश्वतखोरी, अभद्रता और मारपीट जैसे आरोपों में भी घिरे हैं। नए अधिकारी की नियुक्ति के बावजूद हालात और बिगड़ते जा रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

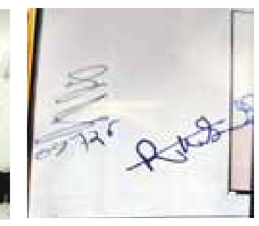

जिले का परिवहन विभाग इस समय गहरे अव्यवस्थाओं और भ्रष्टाचार के दलदल में फंसा हुआ है। 18 स्वीकृत पदों वाले इस विभाग में केवल चार अधिकृत कर्मचारी पदस्थ हैं, जिनमें दो लिपिक, एक चौकीदार और एक चपरासी शामिल हैं। शेष पद वर्षों से रिक्त हैं, और इन रिक्तियों का लाभ उठाते हुए अनधिकृत व्यक्तियों ने विभागीय कार्यों की कमान संभाल ली है। वर्तमान में कार्यरत अधिकृत कर्मचारियों में शिवशंकर सिंह (ग्रेड-3, एलडीसी), श्रीमती नीलमणि भगत (ग्रेड-3, एलडीसी), प्यून हंसराज सिंह और चौकीदार संजय गुप्ता उर्फ पिंटू शामिल हैं। वहीं कुछ महीने पूर्व महिला अधिकारी अनपा खान को परिवहन अधिकारी के रूप में शहडोल में पदस्थ किया गया था, लेकिन इन चार कर्मचारियों की तुलना में कार्यालय की वास्तविक जिम्मेदारियां ऐसे लोगों के हाथ में हैं जिनकी कोई आधिकारिक नियुक्ति नहीं है।

अनाधिकृत लोगों का संचालन

अनधिकृत व्यक्तियों की नियुक्ति पूर्व परिवहन अधिकारी आशुतोष सिंह भदौरिया के कार्यकाल के दौरान की गई थी। भदौरिया सात वर्षों तक शहडोल और सीधी जिले में कार्यरत रहे और उन्हीं के कार्यकाल में अरविंद सिंह, सचिन वर्मन, संदीप यादव और धीरेश गुप्ता जैसे लोगों को विभागीय कार्यों में लगा दिया गया। इनमें अरविंद सिंह खुद को स्टेनो बताता है और लेखापाल कक्ष में बैठता है। सचिन वर्मन ड्राइविंग लाइसेंस सेक्शन का प्रभारी बन बैठा है, जबकि धीरेश गुप्ता बस परमिट की फाइलें देखता है और दस्तखत तक करता है। इन सभी के पास किसी भी प्रकार की वैधानिक नियुक्ति नहीं है, लेकिन यह लोग अधिकृत अधिकारियों की तरह कार्य कर रहे हैं।

वाउचर और दस्तावेजों पर होते हैं अनधिकृत हस्ताक्षर

स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि अब विभागीय वाउचरों और दस्तावेजों पर भी इन्हीं अनाधिकृत लोगों के हस्ताक्षर देखे जा सकते हैं। ये लोग न केवल कार्यालय के भीतर बैठते हैं, बल्कि आवेदकों से खुलेआम रिश्वत लेते हैं और समय पर कार्य न करने की धमकी देते हैं। कुछ वाहन मालिकों और आरटीओ एजेंटों ने आरोप लगाया है कि इन लोगों द्वारा गाली-गलौज और मारपीट जैसी घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं।

नए अधिकारी के आने के बाद हालात और बिगड़े

हाल ही में अरपा खान को परिवहन अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया, लेकिन उनके आने के बाद भी स्थिति सुधरने की बजाय और बिगड़ती नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि पूर्व अधिकारी भदौरिया का प्रभाव अब भी विभाग पर कायम है और उन्हीं के इशारे पर अनधिकृत लोग कार्य कर रहे हैं। यहां तक कि नए परिवहन अधिकारी को भी संभवतः इस बात का आभास नहीं कि इन लोगों के माध्यम से उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

वाहन मालिकों और एजेंटों में गहरा आक्रोश

बीते कुछ दिनों में परिवहन कार्यालय में बढ़ी हुई फीस और बेवजह देरी के चलते स्थानीय वाहन मालिकों और आरटीओ एजेंटों ने सांकेतिक विरोध शुरू कर दिया है। इनका कहना है कि कार्यालय में मची अव्यवस्था और अनाधिकृत व्यक्तियों की दखलंदाजी के कारण न केवल विभाग की छवि धूमिल हो रही है, बल्कि सरकार के प्रति विश्वास भी टूट रहा है। विरोध करने वाले एजेंटों का कहना है कि कार्यालय के कार्यों में जानबूझकर देरी की जा रही है ताकि लोगों से अधिक राशि वसूली जा सके। विभागीय प्रक्रिया में पारदर्शिता खत्म हो चुकी है, और हर एक फाइल के लिए अलग-अलग व्यक्ति अवैध वसूली कर रहे हैं।

जिला प्रशासन और सरकार तक मामला पहुंचा

इस पूरे मामले को लेकर आरटीओ एजेंटों और वाहन मालिकों ने जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश की है। लेकिन अभी तक किसी भी स्तर पर न तो जांच शुरू हुई है और न ही परिवहन अधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। अरपा खान पिछले कई दिनों से कार्यालय में अनुपस्थित हैं, जिससे आक्रोश और गहराता जा रहा है। परिवहन विभाग इस समय एक ऐसे जाल में फंसा है जहां पर वैधानिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे शब्दों का कोई मूल्य नहीं बचा है। शासन और प्रशासन से मांग है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को दंडित किया जाए।

इनका कहना है...

अभी मैं विभागीय कार्य से भोपाल में हूं, आरटीओ एजेंट के द्वारा किसी तरह का कार्यालय की समस्या को लेकर विरोध किया जा रहा है, इसकी जानकारी नहीं है। कार्यालय में अनाधिकृत तौर पर कोई कार्य नहीं कर सकता, कल कार्य दिवस में इस संदर्भ में जानकारी लेने के बाद ही अधिकृत तौर पर कुछ कह पाऊंगी।

अनपा खान
परिवहन अधिकारी शहडोल

भाई की हत्या के दोषी को उम्रकैद, सबूत मिटाने की कोशिश पर भी दोष सिद्ध

अपर सत्र न्यायालय बुढ़ार का फैसला, आरोपी विजय सहीश को कठोर दंड

बुढ़ार/धनपुरी। अपने ही भाई की निर्मम हत्या कर शव को मिट्टी में दफनाने की कोशिश करने वाले आरोपी विजय सहीश को अपर सत्र न्यायालय बुढ़ार ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उस पर 6,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुशील कुमार अग्रवाल की अदालत ने 22 जुलाई 2025 को सुनाया। आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) एवं 201 (साक्ष्य छिपाना) के तहत दोषी ठहराया गया। अपर लोक अभियोजक आलोक राय ने बताया कि यह मामला थाना बुढ़ार के अपराध क्रमांक 903/2021 से जुड़ा है। घटना 4 दिसंबर 2021 की रात की है। आरोपी विजय सहीश ने अपने सगे बड़े भाई संतोष सहीश की टंगिया (कुल्हाड़ी) से हत्या कर दी थी। मृतक कुछ दिनों के लिए अपने पैतृक घर आया हुआ था। रात के समय पिता दुर्गा सहीश की नींद खुली तो उन्होंने जमीन खोदने की आवाज सुनी। कमरे में जाकर देखा तो विजय हाथ में टंगिया लिए खड़ा था और पास ही संतोष की लाश पड़ी थी। आरोपी शव को दफनाने की कोशिश कर रहा था। जब पिता ने उसे टोका, तो उस पर भी हमला करने की कोशिश की गई। पिता की शिकायत पर तत्काल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल से भौतिक साक्ष्य एकत्र किए, चश्मदीदों के बयान दर्ज किए और वैज्ञानिक परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला मजबूत किया। बाद में अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, चिकित्सकीय रिपोर्ट और गवाहों के बयानों का गहन परीक्षण किया। सभी तथ्य यह सिद्ध करने में सक्षम रहे कि आरोपी ने जानबूझकर अपने भाई की हत्या की और फिर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। अदालत ने इसे गंभीर अपराध मानते हुए आरोपी को दोषी करार दिया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

गोदावलधाम में कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन, श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ को अर्पित किया जल

ब्योहारी।

नगरीय क्षेत्र से लगे प्राचीन और पावन स्थल गोदावलधाम में बीते दिनों श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सावन मास के पावन अवसर पर भंवरसेन संगम से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ कांवड़ यात्रा निकालते हुए गोदावलधाम पहुंचकर भगवान शिव को पवित्र जल अर्पित किया। शिवभक्तों की आस्था और भक्ति का यह दृश्य अत्यंत मनोहारी था। गोदावलधाम जो ब्योहारी मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है, एक सिद्ध तपोस्थली के रूप में विख्यात है। यहां करीब 200 वर्ष पुराना शिव मंदिर है, जिसमें स्थापित प्राचीन शिवलिंग के दर्शन हेतु प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर परिसर प्राकृतिक हरी-भरी वादियों, विशाल गुफाओं और रमणीय झांकियों से सुशोभित है। यह स्थल न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है बल्कि अब एक प्रमुख पिकनिक स्पॉट के रूप में भी प्रसिद्ध हो चुका है। स्थानीय समाजसेवी खुशीराम रघुवंशी के प्रयासों से यहां देवी-देवताओं के मंदिरों की श्रृंखला, सामुदायिक भवन, भव्य झांकियां और धार्मिक आयोजनों की सुविधाएं विकसित की गई हैं। भंवरसेन संगम, जहां सोन, बनास और महान नदियों का संगम होता है, से हर वर्ष श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ में जल भरकर यहां पहुंचते हैं। सोमवार को भी श्रद्धालु नगर भ्रमण करते हुए गोदावलधाम आए और शिवलिंग पर जल चढ़ाकर सुख-समृद्धि की कामना की। यहां संत गैवानंद महाराज का तपस्थल भी है, जिनकी तपस्या के कारण यह स्थान तपोस्थली के रूप में जाना जाता है। गोदावलधाम सेवा कल्याण समिति द्वारा लगातार इस स्थल का विकास किया जा रहा है। सावन के इस पावन दिन पर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही। भक्तों ने भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर समिति के कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए जलपान व विश्राम की व्यवस्था भी की गई थी। गोदावलधाम में प्रतिवर्ष मकर संक्रांति पर सात दिवसीय मेला भी आयोजित होता है। यहां धार्मिक आयोजनों के साथ ही हर वर्ष सैकड़ों वैवाहिक कार्यक्रम भी संपन्न होते हैं, जिससे यह क्षेत्र न केवल आस्था बल्कि सामाजिक एकता का भी केंद्र बन चुका है।

फुटपाथी दुकानदारों की बेदखली पर बवाल

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, गरीब दुकानदारों ने न्याय की लगाई गुहार

ब्योहारी।

नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 07 मार्तण्डगंज में स्थित पुरानी मजिस्ट्रेटी के सामने अतिक्रमण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वर्षों से फुटपाथ पर दुकान लगाकर जीविका चलाने वाले गरीब दुकानदारों ने नगर परिषद अध्यक्ष राजन गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दुकानदारों का कहना है कि अध्यक्ष अपने समाज के व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लोहे की स्थायी गोमतियों की अवैध स्थापना करा रहे हैं और इसके लिए फुटपाथी दुकानदारों को बेदखल किया जा रहा है। ठेले पर चाय बेचने वाले दीपक नामदेव, लाला शर्मा, लल्लू गुप्ता, बेला कुशवाहा, रणजीत खटिया सहित अन्य दुकानदारों ने बताया कि वे कई वर्षों से पुरानी मजिस्ट्रेटी के सामने अस्थायी दुकानें लगाकर रोजी-रोटी चला रहे थे। लेकिन अब नगर परिषद द्वारा उन्हें जबरन हटाया जा रहा है और उनकी जगह पर पैसे लेकर स्थायी गोमतियों को स्थापित किया जा रहा है। दुकानदारों ने आरोप लगाया कि परिषद अध्यक्ष राजन गुप्ता सफाई अमले की मदद से आए दिन उन्हें बेवजह तंग करता है और उनकी दुकानों को हटवाता है, ताकि वहां समाज के बड़े व्यापारियों की दुकानों को स्थापित किया जा सके। दुकानदारों ने बताया कि कई गोमतियां अब किराए पर चलाई जा रही हैं, जिससे गरीब दुकानदारों का हक मारा जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कथित तौर पर नगर परिषद के कुछ कर्मचारियों को अतिक्रमण कराते देखा जा सकता है। इसमें यह भी आरोप है कि कुछ मामलों में नगर परिषद के कर्मचारियों ने पैसे लेकर सरकारी भवनों के सामने गोमतियों को स्थापित करने की अनुमति दी है। नगर क्षेत्र के प्रमुख स्थानों जैसे महाविद्यालय परिसर, जनपद कार्यालय, तहसीलदार बंगला, फॉरेस्ट ऑफिस, राजस्व निरीक्षक कार्यालय, कृषि विभाग, और स्वयं नगर परिषद कार्यालय के सामने तक अतिक्रमण फैला हुआ है, जिससे राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने नगर प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और गरीब फुटपाथी दुकानदारों को पुनः व्यवसाय करने की अनुमति दी जाए, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें।

इनका कहना है...

मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है, मैं अभी पता लगाता हूं।

शरद गौतम, सीएमओ
नगर परिषद ब्यौहारी

सीवर लाइन खुदाई के दौरान श्रमिकों की मौत, प्रशासन की लापरवाही उजागर

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 1, कोनी क्षेत्र में 17 जुलाई को दोपहर लगभग 12:30 बजे सीवर लाइन की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से दो श्रमिकों दादूराम उर्फ महिपाल बैगा और लालू बैगा की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। यह हादसा न केवल हृदयविदारक है, बल्कि नगर पालिका परिषद शहडोल, ठेका कंपनी स्नेहल ग्रुप और जिला प्रशासन की लापरवाही का प्रतीक बनकर सामने आया है। घटना के संबंध में पुलिस थाना सोहागपुर में प्रोजेक्ट मैनेजर आर. राजू, इंजीनियर नितेश मित्तल, सुपरवाइजर राहुल साहू, सब-इंजीनियर जैनेंद्र सिंह यादव और लेबर ठेकेदार नायक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। हालांकि, नगर पालिका एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ जिम्मेदार अधिकारी अब तक कार्रवाई से बचते दिख रहे हैं। इसे लेकर अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता संदीप कुमार तिवारी ने प्रशासनिक उदासीनता पर कड़ा सवाल उठाया है।

प्रशासन से पूछे चार महत्वपूर्ण सवाल - धिवक्ता श्री तिवारी ने प्रशासन से चार सवाल पूछे हैं, जिनमें उन्होंने कहा कि 17 जुलाई को मौसम विभाग ने शहडोल में भारी वर्षा की चेतावनी दी थी। जब घटना घटी, उस समय क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी। ऐसे में खुदाई करवाना प्रशासन की गंभीर लापरवाही का प्रमाण है। मृतक श्रमिकों का बीमा और श्रम पंजीयन नहीं था। ठेकेदार ने उन्हें अवैध रूप से कार्य पर लगाया, लेकिन नगर पालिका और श्रम विभाग की निगरानी व्यवस्था पूरी तरह विफल रही। हादसे के करीब डेढ़ घंटे बाद राहत कार्य शुरू हुआ। अधिकारियों के देर से पहुंचने के कारण समय पर बचाव नहीं हो सका, जिससे दोनों श्रमिकों की जान नहीं बचाई जा सकी। सीवर परियोजना की तय समयसीमा जून 2025 में समाप्त हो चुकी थी। इसके बावजूद कार्य जारी था। अधिवक्ता तिवारी ने पूछा कि बिना वैध अनुमति कार्य कैसे चल रहा था? उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह हादसा केवल ठेकेदार की नहीं, बल्कि स्नेहल ग्रुप, नगर पालिका परिषद, और प्रशासनिक तंत्र की सामूहिक विफलता का परिणाम है। तिवारी ने मांग की है कि इन सभी पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 106 सहित सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया जाए। संदीप तिवारी ने कहा कि वे पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए हर मंच पर संघर्ष जारी रखेंगे।

क्षेत्ररक्षक की चार वेतनवृद्धि रोकी, 15 दिन में मांगा जवाब

उमरिया। एमपी राज्य वन विकास निगम लिमिटेड ने अपने अनुशासनात्मक रुख को दोहराते हुए उमरिया परियोजना मण्डल के अंतर्गत पदस्थ क्षेत्ररक्षक आशीषधर द्विवेदी की चार असंचयी वेतनवृद्धियों पर रोक लगा दी है। साथ ही संभागीय प्रबंधक ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 15 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2022 में आशीषधर द्विवेदी के विरुद्ध न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) थाने में मामला दर्ज हुआ था। गिरफ्तारी के बाद वे मुचलके पर रिहा हुए, लेकिन इस गंभीर कानूनी प्रक्रिया की सूचना उन्होंने कार्यालय को नहीं दी। यही नहीं, वे बिना किसी अनुमति के कार्यक्षेत्र एवं राज्य से बाहर चले गए, जो स्पष्ट रूप से सेवा नियमों का उल्लंघन है। संभागीय प्रबंधक ने इसे एमपी राज्य वन विकास निगम कर्मचारी सेवा नियम 1984 की कंडिका 34, 35 और 36 के अंतर्गत अनुशासन और कदाचरण की श्रेणी में रखते हुए कार्रवाई की है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि क्षेत्ररक्षक द्विवेदी निर्धारित समय सीमा में अपना पक्ष नहीं रखते हैं, तो उनके विरुद्ध एकतरफा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग की इस कार्रवाई से यह संकेत मिलता है कि अनुशासनहीनता, नियमों की अनदेखी और गोपनीय सूचना छिपाने जैसे मामलों में अब कोई भी रियायत नहीं बरती जाएगी।

ओरिएंट पेपर मिल में फिर बड़ा हादसा, मनीष सिंह गंभीर रूप से घायल

मशीन में फंसा पूरा शरीर, जबलपुर रेफर, प्रबंधन की लापरवाही पर उठे सवाल

शहडोल।

ओरिएंट पेपर मिल (ओपीएम) में एक बार फिर लापरवाही के चलते बड़ा हादसा हो गया। टिशू-3 विभाग में कार्यरत मनीष सिंह, निवासी ओपीएम पानी टंकी, गंभीर रूप से घायल हो गए जब उनका हाथ मशीन में फंस गया और पूरा शरीर मशीन में खिंचता चला गया। उन्हें तत्काल शहडोल से जबलपुर रेफर किया गया है जहां उनकी स्थिति अत्यंत नाजुक बताई जा रही है। घटना ने एक बार फिर मिल प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि टिशू सेक्शन में सुरक्षा उपकरणों की कमी और मशीनों की नियमित जांच नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ। यह कोई पहली बार नहीं है जब पेपर मिल में किसी कर्मचारी के साथ ऐसा गंभीर हादसा हुआ हो, आये दिन किसी न किसी तरह की दुर्घटना यहां होती रहती है। स्थानीय कर्मचारियों और मिल से जुड़े लोगों में भारी रोष है। उनका कहना है कि प्रबंधन केवल उत्पादन बढ़ाने में रुचि रखता है, जबकि श्रमिकों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। आरोप यह भी है कि मिल प्रबंधन ने फैक्ट्री परिसर में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगा दिया है, ताकि इस तरह की घटनाएं बाहर उजागर न हो सकें और वे अपनी लापरवाही को छुपा सकें।
स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने इस घटना की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर कब तक मजदूरों की जान यूं ही जोखिम में डालकर उत्पादन चलता रहेगा? क्या मानव जीवन इतना सस्ता हो गया है कि कोई जवाबदेही भी नहीं तय की जाएगी।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने आधार कार्ड कैंप का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत भवन चंगेरी में आयोजित आधार कार्ड पंजीयन शिविर का कलेक्टर हर्षल पंचोली ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आधार पंजीयन की संपूर्ण प्रक्रिया को निकट से देखा और नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर ने चार वर्षीय बालक गौरव सिंह का आधार पंजीयन स्वयं की उपस्थिति में करवाया। उन्होंने बायोमेट्रिक विवरण, फोटो अपलोडिंग एवं दस्तावेज सत्यापन जैसी प्रक्रिया को बारीकी से समझा। कलेक्टर ने उपस्थित स्टाफ से शिविर में आने वाले नागरिकों को सहज, पारदर्शी एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया।उन्होंने जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक विकास सिंह को निर्देशित किया कि आधार पंजीयन शिविरों का आयोजन नियमित रूप से निर्धारित तिथि अनुसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों का आधार पंजीयन सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने जनसामान्य को समय पर सूचना देने एवं प्रचार-प्रसार बढ़ाने पर भी बल दिया।कलेक्टर ने कहा कि आधार कार्ड नागरिकों की पहचान का महत्वपूर्ण दस्तावेज है, प्रत्येक पात्र नागरिक का पंजीयन समय पर किया जाना आवश्यक है। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस विकास सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी ने लगाए गंभीर आरोप

सेवा पुस्तिका से छेड़छाड़ कर समय से पहले किया सेवानिवृत्त

शहडोल। जल संसाधन विभाग के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी ने सेवा समाप्ति और सेवानिवृत्ति लाभों को लेकर विभाग पर गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। कर्मचारी का दावा है कि अनपढ़ होने का फायदा उठाकर उसकी सेवा पुस्तिका से छेड़छाड़ की गई, समय से पहले रिटायर किया गया और आर्थिक लाभों से भी वंचित रखा गया। यह मामला प्रदेश में सरकारी तंत्र की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

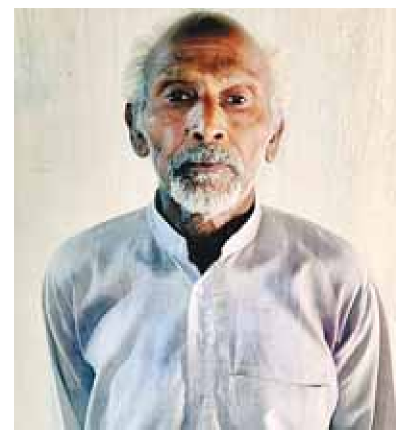

दो साल पहले सेवा समाप्त करने और ग्रेच्युटी में गड़बड़ी का मामला उजागर

जल संसाधन विभाग के पूर्व कर्मचारी रामकरण कुशवाहा ने आरोप लगाया है कि उन्हें जानबूझकर समय से दो वर्ष पहले, 60 वर्ष की आयु में ही सेवा से बाहर कर दिया गया, जबकि वे चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी के रूप में 62 वर्ष की आयु तक सेवा में बने रहने के पात्र थे। कुशवाहा के अनुसार उनकी नियुक्ति 18 फरवरी 1979 को जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी, कर्मशाला एवं भंडार उपसंभाग, देवलोद, जिला शहडोल में हुई थी। उन्होंने दावा किया कि विभाग के तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी प्रणीश दुबे द्वारा उनकी सेवा पुस्तिका में छेड़छाड़ कर उन्हें 'कुशल हेल्पर' की श्रेणी में दर्शाया गया, जिससे उन्हें 8 जनवरी 2018 को 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त कर दिया गया। जबकि वह वास्तव में 'चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी' थे और उन्हें 31 जनवरी 2020 को सेवानिवृत्त किया जाना चाहिए था।

धमकी देने का भी आरोप, पेंशन से भी वंचित

रामकरण कुशवाहा ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस गड़बड़ी की शिकायत तत्कालीन अधिकारी श्री दुबे से की, तो उन्हें स्पष्ट रूप से धमकी दी गई कि 'मेरे रहते तुम्हें कोई लाभ नहीं मिलेगा।'कुशवाहा ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि वे अत्यंत गरीब हैं और आजीविका चलाना कठिन हो गया है क्योंकि उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन तक नहीं मिल रही है। उनका आरोप है कि शासन से मिलने वाली ग्रेज्युटी राशि भी उन्हें कम दी गई, और वह भी एकमुश्त न देकर चार समान किस्तों में दी गई।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में की शिकायत

समस्या के समाधान की आस में कुशवाहा ने 13 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, जिसका क्रमांक 31849121 है। शिकायत के अनुसार, न केवल उन्हें समय से पहले सेवानिवृत्त किया गया, बल्कि आर्थिक लाभों में भी कटौती की गई। उन्होंने उच्च न्यायालय में भी न्याय की गुहार लगाई, पर उनका कहना है कि विभागीय अधिकारी कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। कुशवाहा का आरोप है कि न्यायालय में पेश किए जा रहे दस्तावेजों में कई महत्वपूर्ण जानकारियां जानबूझकर छुपाई जा रही हैं, जिससे मामला कमजोर किया जा सके।

न्यायालय पर भरोसा है, पर अफसरों पर नहीं

रामकरण कुशवाहा ने अपनी शिकायत में लिखा है, 'कुछ दिनों पहले पता चला कि प्रणीश दुबे अब बड़े अधिकारी बन चुके हैं। अब मुझे इस अधिकारी से किसी न्याय की उम्मीद नहीं है। मेरा विश्वास केवल न्यायालय पर है।'उन्होंने विभाग से अपील की है कि उन्हें उनके हक का न्याय दिया जाए, ताकि उनकी वृद्धावस्था सम्मानपूर्वक गुजर सके।

जांच जारी, अफसरों ने आरोपों से किया इनकार

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन द्वारा दर्ज शिकायत को कार्यपालन यंत्री, लाइट मशीनरी विद्युत यांत्रिकी संभाग क्रमांक 3, देवलोद को निराकरण हेतु भेजा गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, शिकायत पर कार्यवाही प्रगति पर है और नियमानुसार जांच की जा रही है। वहीं जब प्रणीश दुबे से संपर्क किया गया, तो उन्होंने सभी आरोपों से स्पष्ट इनकार करते हुए कहा कि 'मेरे द्वारा सेवा नियमों का पूरी तरह पालन किया गया है, किसी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई है।'

व्यवस्था पर सवाल, क्या मिलेगा न्याय?

रामकरण कुशवाहा का मामला सरकारी तंत्र की उन खामियों को उजागर करता है, जहां निचले स्तर के कर्मचारी अक्सर अपने अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष करने को मजबूर होते हैं। यदि कुशवाहा के आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं, बल्कि पूरी प्रशासनिक व्यवस्था पर एक प्रश्नचिह्न होगा। प्रदेश सरकार और संबंधित विभाग से अपेक्षा की जा रही है कि वे मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र निर्णय लें, ताकि आमजन का सरकारी संस्थानों पर भरोसा बना रहे।

उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस के तहत प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज उमरिया में आयोजित किया गया कार्यक्रम। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही एस चंदेल ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य भावनात्मक और सामाजिक सरोकार की स्थिति है जिसके अंतर्गत व्यक्ति स्वयं की योग्यताओं को समझता है एवं रचनात्मक कार्य करता है और समाज के प्रति योगदान देने में सक्षम होता है । उन्होंने छात्र-छात्राओं को जीवन कौशल के महत्व को बताते हुए बताया कि जीवन कौशल जागरूकता, सहानुभूति, रचनात्मक चिंतन,तनाव का सामना करना एवं भावनाओं का प्रबंध एवं निर्णय लेना एक कुशल जीवन कौशल एवं स्वस्थ मस्तिष्क व सकारात्मक भावनाओं को प्रदर्शित करता है। डॉ व्ही एस चंदेल द्वारा मनोरोग के संबंध में विस्तार पूर्वक छात्र-छात्राओं से साधारण

उदाहरण देकर समझाया गया कि जिस प्रकार हम अपने शरीर को ध्यान रखते हैं वैसे ही अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है इसके लिए हम नियमित व्यायाम पौष्टिक खान-पान कुछ नया सीखना हॉबी को समय देना मनोरंजन एवं काम के बीच संतुलन बनाए रखना प्रिय जनों के साथ समय बिताना चाहिए । कॉलेज की प्राचार्य डॉ.विमला मरावी द्वारा उपस्थित छात्र छात्राओं को परिवार में महिला पुरुष के हिंसात्मक प्रवृत्ति एवं जेंडर आधारित मतभेद भेदभाव को दूर करने हेतु एवं छात्र-छात्राओं को समय के प्रबंधन एवं कार्य योजना बनाने की बात कही।जिला समन्वयक किशोर स्वास्थ्य के द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को पीपीटी के माध्यम से विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई एवं मनहित वी टोल फ्री नंबर 14416 का प्रचार प्रसार एवं आवश्यकता अनुसार विशेषज्ञों से परामर्श प्रदान करने हेतु बताया गया । कार्यक्रम में 52 छात्र-छात्राओं की स्क्रीनिंग नर्सिंग स्टाफ बीना पटेल के द्वारा किया गया उक्त कार्यक्रम में किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता राकेश चौधरी एवं पवन मेहरा उमंग उच्च शिक्षा कार्यक्रम के नोडल अधिकारी स्थानीय महाविद्यालय,जितेंद्र कुमार सहायक अध्यापक, डॉ रमेश,डॉक्टर संध्या कुशवाहा, डॉक्टर पी डी रावत,डॉक्टर प्रमोद तिवारी,डॉक्टर तुलसी रानी पटेल,सुश्री मीणा सिंह,डॉ राजेंद्र पटेल,डॉक्टर कीर्ति तिवारी,डॉक्टर प्रज्वल सिंह,डॉक्टर प्रियंका गुप्ता डॉक्टर गायत्री उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन में हुई नियुक्तियां

संगठन को नई दिशा मिलने की उम्मीद

शहडोल। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए संगठन के प्रांताध्यक्ष राजकुमार दुबे द्वारा नई अधिसूचना जारी की गई है। इस अधिसूचना के तहत संगठन के विभिन्न पदों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे संगठनात्मक कार्यों में नई ऊर्जा और दिशा आने की उम्मीद जताई जा रही है। जारी अधिसूचना के अनुसार राम नरेश तिवारी को प्रभारी प्रांताध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वहीं रविकरण त्रिपाठी को प्रांतीय संगठन मंत्री, डॉ. परमानंद तिवारी को संभागीय अध्यक्ष, डॉ. नीलेश गौतम को संभागीय कार्यवाहक अध्यक्ष, आर.एल. तिवारी को जिलाध्यक्ष तथा डॉ. संजय श्रीवास्तव को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इन सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। साथ ही यह विश्वास भी व्यक्त किया गया है कि उनके अनुभव और नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी तथा वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस पहल की जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों के इस प्रतिनिधि संगठन की नई टीम से आम पेंशनभोगी वर्ग को भी काफी उम्मीदें हैं। यह नियुक्तियां संगठनात्मक सक्रियता को बढ़ाने के साथ-साथ सदस्यता विस्तार, कल्याणकारी योजनाओं की पैरवी और वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती हैं।

पाली महाविद्यालय में नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के तहत कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा संभाग के आदेशानुसार शासकीय महाविद्यालय बीरसिंहपुर पाली में नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान का आयोजन किया गया। युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति की रोकथाम हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विगत दिवस किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के प्राचार्य हरलाल अहिरवार ने कहा कि नशे को एक सामाजिक बुराई एवं अपराधों का सबसे बड़ा कारण है। कार्यक्रम में डॉ जेपीएस चौहान ने नशे की बढ़ती आदत को युवाओं के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। कार्यक्रम के अंत मे प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्टाफ को नशे से दूर रहने एवं नशामुक्ति संबंधी जन-जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ मंसूर अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी डॉ.शाहिद सिद्दीकी, कार्यक्रम प्रभारी डॉ.मनीषा अग्रवाल, डॉ ऋतु सेन, डॉ.अनुपमा द्विवेदी, डॉ.त्रिभुवन गिरि एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्राकृतिक पर्यटन स्थलों पर लगे सूचना बोर्ड व बैरीकेड का पालन करें नागरिकः कलेक्टर

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन के संज्ञान में यह बात आई है कि पर्यटन स्थलों जैसे बांध,नदियाँ, झरने, नहर,पहाड़ व अन्य दर्शनिक स्थलों,जल संरचनाओं में सेल्फी लेने, फोटो ग्राफ्स लेने की होड़ में दुर्घटनाएं हो रही है। उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा के तहत नियत चिन्ह सूचना बोर्ड, बैरीकेड से आगे किसी भी प्रकार की गतिविधियों को प्रतिबंधित किया है । उन्होंने कहा कि जांच के दौरान कोई भी व्यक्ति कार्यवाही मे संलिप्त पाया जाता है तो, उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य सुसंगत अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी । यह आदेश आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा।आदेश का उल्लंघन होने पर भारतीय न्याय संहिता के विनिर्मित प्रावधानो के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

पैरामेडिकल कॉलेज में हस्ताक्षर अभियान

उमरिया। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत उमरिया पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या के मार्गदर्शन पर एसडीओपी डॉ नागेंद्र प्रताप सिंह , कोतवाली थाना प्रभारी मदनलाल मारवी व संस्था युवा टीम संयोजक हिमांशु तिवारी की उपस्थिति में साई पैरामेडिकल कॉलेज उमरिया में नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता कार्यक्रम व हस्ताक्षर अभियान का आयोजन कर छात्र छात्राएं को नशे दुष्प्रभाव बताए गए।सभी ने नशा न करने और लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। एसडीओपी डॉ नागेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों से चर्चा की जाकर नशे से होने वाले दुष्प्रभाव, बचाव के उपाय और सहायता प्राप्त करने के साधनों की जानकारी दी गई तथा स्टॉफ को भी नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।उन्हें नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया और बताया कि, नशा न केवल शारीरिक बल्कि आर्थिक, सामाजिक व मानसिक हानि भी पहुंचाता है, इसलिये इससे हमेशा दूर रहें व अपने परिजन व दोस्तों को भी इससे बचकर रहने के लिये प्रेरित करें, साथ ही कहा कि, इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के पुलिस के प्रयासों में सहभागी बने। कोतवाली टीआई मदनलाल मरावी ने छात्र छात्राओं को नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया।नशा करने वाले व्यक्ति के साथ इसका दुष्प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। इस अभियान के दौरान लोगों को नशा छुड़ाने के साथ युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहा कि नशा अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए हम सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे, तभी यह मुहिम सार्थक होगी।हस्ताक्षर अभियान के दौरान राहुल सिंह,कॉलेज प्राचार्य डॉ.वी.कें त्रिपाठी,शिक्षक रामप्रकाश शुक्ला,प्रवीन सूर्यवंशी,श्वेता ठाकुर,दीटित तिवारी,नैनसी उपाध्याय,अजय रजक,अनुज केवट कॉलेज छात्र छात्राओं अभिषेक रैदास,स्नेहा वर्मन,अंजली यादव,अंकिता पटेल,अनिल सिंह,निवेदिता सोनी,सिमरन सोनी,रिंकी केवट,रागी बर्मन आदर्श यादव,करिश्मा यादव,दीपमाला भट्ट,सजिता साहू,मुस्कान मिश्रा,रक्कमणी मरावी व सभी उपस्थित रहे।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग मंत्री का भ्रमण कार्यक्रम

उमरिया। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग की मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके एक दिवसीय भ्रमण पर 24 जुलाई को बांधवगढ़ ताला जिला उमरिया पधारेगी। श्रीमती उइके 24 जुलाई को सायं 5 बजे ताला बांधवगढ पहुंचेगी तथा रात्रि विश्राम करेंगी। श्रीमती उइके 25 जुलाई को ताला बांधवगढ से प्रातः 10 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगी।

खुले चेंबर से हादसे की आशंका, मरम्मत की मांग

हरिभूमि न्यूज कोतमा। वर्तमान में नगर में व्यवस्थाएं अव्यवस्थित नजर आ रही है इसका मुख्य कारण है कि वर्तमान में नगर पालिका में उप यंत्री का पद रिक्त होने के कारण समिति नगर पालिका के उपयंत्री को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है जिसके कारण व्यवस्थाएं सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। नगर के वार्ड क्रमांक 4 निगवानी रोड मे केरहा नाला के समीप मिनी पार्क बनाया गया है ठीक उसी के सामने 6 माह पूर्व ठेकेदार के द्वारा नाली का निर्माण किया गया था नाली गुणवत्ता भी होने के कारण नाली का चैंबर कई दिनों से टूटा हुआ है और उसी से होकर छोटे-छोटे बच्चे पार्क में खेलने जाते हैं लेकिन नगर पालिका के अधिकारियों का ध्यान किशोर नहीं जा रहा है किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। यही हाल वार्ड क्रमांक दो मुखर्जी चौक से मनेन्द्रगढ जाने वाले रास्ते मे नाली का चेंबर लगभग 15 दिनों से टूटा हुआ है और खुला चेंबर दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। खुले नाली के चेंबर के कारण कभी भी कोई हादसा घटित हो सकता है। नागरिकों ने खुले चेंबर की मरम्मत करवाये जाने की मांग की है।

पुलिस ने सट्टेबाजों के खिलाफ की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज़ कोतमा। कोतमा पुलिस ने सट्टेबाजों के खिलाफ एक्शन लेते हुए अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देते हुए तीन सटोरियों को रंगे हाथों सट्टा पट्टी काटते गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों का कब्जे से सट्टे का चार्ट, 2300 रुपए नगदी बरामद करते हुए 4 का सट्टा एक्ट में कार्यवाही की गई है। पुलिस ने बताया कि गहरवार चौराहे के पास बेटालाल सोनी 37 वर्ष पिता भोलाप्रसाद को सट्टा पर्ची काटते हुए गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार अटल चौपाटी के पास दीपक पनिका 34 वर्ष पिता देवशरण अंकों के माध्यम से हार जीत का दांव लगा रहा था। अटल गेट तिराहे के पास मो आसिफ 40 वर्ष पिता मो नसीर निवासी लहसूई रेलवे लाइन वार्ड 1के कब्जे से सट्टा पर्ची सहित नगदी रुपए जप्त किया गया है।

अलंकृता महिला समिति ने बरतराई के एक अति गरीब को प्रदान किया हाथ ठेला

हरिभूमि न्यूज राजनगर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के जमुना कोतमा क्षेत्र के आमाडांड उपक्षेत्र क्षेत्र मे श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर की अध्यक्षा परम आदरणीय श्रीमती शशि दुहन एवं सभी उपाध्यक्षा के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों से प्रेरित होकर समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाते हुए जमुना- कोतमा क्षेत्र की अलंकृता महिला समिति द्वारा आत्मनिर्भर मुहिम के तहत आमाडांड उपक्षेत्र में ग्राम पंचायत बरतराई के अति गरीब परिवार के अनुरुद्ध कुमार नामदेव को एक हाथ ठेला प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया। हाथ ठेला के साथ साथ अनुरुद्ध कुमार नामदेव को विभिन्न प्रकार के सब्जी व फल भी प्रदान किये गये। ताकि वह सब्जी, फल बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण कर सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित 13 लोगों को स्वल्पाहार प्रदान किया गया। यह वितरण कार्यक्रम अलंकृता महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती किशोरी त्रिपाठी के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर श्रीमती किशोरी त्रिपाठी, अध्यक्षा, अलंकृता महिला समिति तथा समिति की सदस्या श्रीमती इंदु सिंह, श्रीमती रजनी सिंह, श्रीमती अंजू दयाल, श्रीमती प्राची सिंह, श्रीमती मीना गोपाल त्रिपाठी, श्रीमती दया द्विवेदी, श्रीमती सविता गर्ग, श्रीमती प्रतिमा त्रिपाठी, श्रीमती निखत सिद्दीकी, श्रीमती पद्मिनी मेहर, श्रीमती प्रीती उरकुंडे, श्रीमती कंचन पासवान एवं श्रीमती प्रज्ञा गनवीर उपस्थित थी। अलंकृता महिला समिति के सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपनी अहम भूमिका निभाई।

नगर परिषद, पुलिस और पशुपालकों की हुई संयुक्त बैठक

रात्रि में पशुओं को खटाल में बांधने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में सोमवार दोपहर एक बजे से नगर के स्थानीय पशुपालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर परिषद, पुलिस विभाग और पशुपालकों के बीच शहर में आवारा/पालतू पशुओं की समस्या को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य था, कि रात्रि में सड़कों पर बैठने वाले या घूमते हुए मवेशियों को खटाल/डेयरी मालिकों द्वारा समुचित रूप से बांधा जाए, ताकि आम नागरिकों को यातायात में अवरोध उत्पन्न न हो और किसी भी तरह की सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकें। बैठक में थाना प्रभारी रामनगर सुमित कौशिक ने पशुपालकों से अपील करते हुए कहा कि, रात्रि के समय पशुओं को सड़कों पर छोड़ने के बजाय खटाल/डेयरी में बांधने की आदत डालनी चाहिए। इससे न केवल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि यातायात व्यवस्था भी सुचारू बनी रहेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि, यदि किसी पशु के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी सीधे संबंधित पशुपालक की भी मानी जाएगी। इस अवसर पर मुख्य नगर परिषद अधिकारी ने राममिलन तिवारी ने कहा कि यदि कोई पशु आवारा स्थिति

में नगर की सड़कों पर घूमता पाया गया, तो उसे नगर परिषद द्वारा कांजी हाउस में भेजने की कार्रवाई की जाएगी, और इसकी समस्त जवाबदेही पशुपालक की होगी। नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि खुले में घूमने वाले पशुओं के कारण वाहन चालकों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है, साथ ही पशुओं के गोबर से नगर की स्वच्छता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सभी पशुपालकों से आग्रह किया कि, वे रात्रि में अपने पशुओं को सुरक्षित रूप से खटाल में बांधें, ताकि नगर में स्वच्छता और सुरक्षा दोनों बनी रहे। बैठक में उपस्थित सभी पशुपालकों ने प्रशासनिक निर्देशों का समर्थन किया और भविष्य में इनका पूर्ण पालन करने का आश्वासन भी दिया। नगर परिषद एवं पुलिस विभाग द्वारा आयोजित यह बैठक एक सराहनीय पहल रही, जिससे नगर में यातायात की सुगमता और स्वच्छता व्यवस्था को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित जनों में मुख्य नगर परिषद अधिकारी राममिलन तिवारी, थाना प्रभारी सुमित कौशिक रामनगर, नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह, नगर परिषद उपाध्यक्ष धनंजय सिंह (मुन्ना भैया) भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, जिला अध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ धर्मेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश गौतम, पार्षद समय पटेल, गिरिजा विश्वकर्मा, लेखापाल राजेश मिश्रा एवं नगर के समस्त पशुपालक एवं पत्रकार समर बहादुर सिंह, विजय जायसवाल, अमित सेन गुप्ता, पंकज कुमार शर्मा, मनीष सिंह, भागीरथी कुशवाहा, मनु मणि तिवारी उपस्थित रहे।

नगर परिषद की अनदेखी से नागरिक परेशान दूषित पानी और सफाई बनी बड़ी समस्या

नगर परिषद बुधार क्षेत्र की सैंटिंग कॉलोनी, जेल बिल्डिंग कॉलोनी, अंबेडकर नगर कॉलोनी समेत अन्य आस-पास की बस्तियों में बुनियादी समस्याओं का अंबार है। यहां के रहवासियों ने शिकायत करते हुए बताया कि चुनाव के तीन साल बीतने के बाद भी पार्षद का कहीं अता-पता नहीं है।

हरिभूमि न्यूज, धनपुरी।

जनता समस्याओं से त्रस्त है, लेकिन समाधान की कोई पहल नहीं की जा रही। क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या है पेयजल संकट। लोगों ने बताया कि केमिकल फैक्ट्री से निकले अपशिष्ट के कारण हैंडपंपों का पानी दूषित हो चुका है। नगर परिषद द्वारा पाइपलाइन का विस्तार तो कर दिया गया, लेकिन पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। लोगों को मजबूरी में दूषित पानी पीने को विवश होना पड़ रहा है।इसी तरह कॉलोनियों में साफ-सफाई की स्थिति भी बदतर है। नालियों की नियमित सफाई नहीं होती, जिससे सड़कों पर कीचड़ व गंदगी का अंबार लगा रहता है। इससे राहगीरों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार परिषद को शिकायत दी गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जनता ने जताया आक्रोशनिवासियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि केवल चुनाव के समय नजर आते हैं, उसके बाद जनता की सुध लेने कोई नहीं आता। कॉलोनी में न तो सफाई है, न जल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था और न ही सड़कों की मरम्मत हुई है। हर तरफ अव्यवस्था का आलम है। जन प्रतिनिधियों और परिषद से की मांगस्थानीय जनता ने नगर परिषद और जन प्रतिनिधियों से जल्द से जल्द समस्याओं के निराकरण की मांग की है।

खबर संक्षेप

हलवाई समाज ने दिखाया एकता का परिचय

धनपुरी। श्यामा गाडन धनपुरी में बीते दिवस संभागीय हलवाई समाज द्वारा भव्य सावन हरियाली महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहडोल, धनपुरी, बुढ़ार, अनूपपुर, जैतहरी, राजेन्द्रग्राम समेत अनेक क्षेत्रों से भारी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।महोत्सव में समाज के नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। धर्मप्रकाश हलवाई (बुढ़ार) को समाज का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया, वहीं पूर्व अध्यक्ष पुरुषोत्तम हलवाई (धनपुरी) को संरक्षक की भूमिका में सम्मानित किया गया। श्री निवास हलवाई (धनपुरी) को सचिव पद सौंपा गया।कार्यक्रम में राकेश हलवाई (अनूपपुर) और विश्वास हलवाई (शहडोल) को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई, जबकि शिवकांत हलवाई (बुढ़ार) को कोषाध्यक्ष बनाया गया।संरक्षण मंडल का गठन करते हुए रामशरण हलवाई (अनूपपुर), बद्री नारायण हलवाई (जैतहरी), नर्मदा प्रसाद हलवाई (राजेन्द्रग्राम), शिवनंदन हलवाई (बुढ़ार) तथा पुरुषोत्तम हलवाई (धनपुरी) को शामिल किया गया।कार्यक्रम में सभी नवमनोनित पदाधिकारियों को समाजजनों ने बधाई दी और उनके कार्यकाल की सफलता व समाज के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संचालन गीत गुप्ता ने किया और कार्यक्रम प्रभारी अभिषेक गुप्ता की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।इस अवसर पर समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के अंत में पुरुषोत्तम हलवाई जी द्वारा सभी अतिथियों व समाजजनों के प्रति आभार प्रकट किया गया।

जमीन विवाद ने ली खूनी शक्ल, युवक पर चाकू से हमला

उमरिया। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बांका के राघोपुर गांव में बुधवार देर रात एक पुराने जमीन विवाद ने भयावह रूप ले लिया। गांव के एक दबंग व्यक्ति ने पड़ोसी युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। इस हमले के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल फैल गया है। खबर है कि राघोपुर निवासी कोमल सिंह पिता मान सिंह उम्र 32 वर्ष बुधवार रात करीब 11 बजे अपने घर के बाहर खड़ा था, तभी गांव के ही एक व्यक्ति ने उस पर अचानक चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावर ने कोमल के पेट पर इतने गहरे वार किए कि उसकी आंतें बाहर निकल आईं। हमले के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल 100 डायल और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल कोमल को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। बताया जा रहा है कि यह विवाद पिछले 10 वर्षों से चला आ रहा जमीन का मामला है, जिसमें पहले भी कई बार दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और तनाव की स्थिति बन चुकी थी। बुधवार रात यह तनाव हिंसा में तब्दील हो गया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया है। चंदिया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 307 का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

ठेका मजदूरों की उम्मीद बने श्रीकांत दहिया

बीएमएस ने सौंपी शहडोल संभाग अध्यक्ष की जिम्मेदारी

धनपुरी। सोहागपुर एरिया अंतर्गत जहां एक ओर मजदूर यूनियन का सत्यापन कार्य जारी है, वहीं दूसरी ओर ठेका मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए भारतीय मजदूर संघ ने बड़ा कदम उठाया है। संगठन ने अपने सहयोगी संगठन भारतीय ठेका मजदूर संघ के शहडोल संभाग अध्यक्ष के रूप में श्रीकांत दहिया की नियुक्ति कर क्षेत्र में नया संदेश देने का कार्य किया है। श्रीकांत दहिया का नाम लंबे समय से सामाजिक कार्यों और मजदूर हितों की आवाज बुलंद करने वाले कार्यकर्ताओं में शामिल रहा है।

सदस्यता सत्यापन में लाल झंडा, रामपुर बटुरा, डीओसीएम, अमलाई ओसीएम, बीसीएच में लहराया

धनपरी।

रामपुर-बटुरा ओपन कास्ट माइंस (ओसीएम) में वर्ष 2025-26 के लिए सदस्यता सत्यापन प्रक्रिया पूरी हो गई, जिसमें रामपुर बटुरा ओसीएम, धनपुरी ओसीएम, अमलाई ओसीएम,और बीसीएच में एटक यूनियन (AITUC) ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक मत प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।एटक यूनियन ने लहराया परचमइस उल्लेखनीय जीत का श्रेय एटक यूनियन के सदस्यों की एकजुटता, कर्मठता और मैनेजमेंट स्तर पर सक्रिय भागीदारी को जाता है। यूनियन की इस सफलता में एरिया महामंत्री राजेश चंद शर्मा, वरिष्ठ नेता रावेंद्र शुक्ला और टीम की अथक मेहनत शामिल रही। टीम के सदस्यों — आफताब आलम,

राकेश गुप्ता, मोहम्मद हारून, मनोज गर्ग, अशरफ अली, ओम प्रकाश, बैजनाथ, प्रजापति, रंजीत सिंह, उमेश दहिया, राम सुमन, केडी पांडे, कमलेश गुप्ता दिवाकर चौवे, अमरनाथ सिंह सहित अन्य ने सत्यापन में दिन-रात मेहनत कर यूनियन को प्रथम स्थान दिलाया।मोहम्मद हारून ने परिणामों के बाद कहा कि,₹हम सभी मजदूर साथियों के विश्वास और समर्थन के लिए आभारी हैं। हम मजदूरों की हर समस्या को प्रबंधन के समक्ष मजबूती से उठाएंगे और उसका समाधान करवाने का प्रयास करेंगे। यह जीत सभी साथियों की जीत है। ₹लाल झंडा 3 खदानों और बीसीएच में लहराया परचम।राजेश शर्मा ने बताया कि एटक यूनियन रामपुर बटुरा, धनपुरी ओसीएम, अमलाई ओसीएम,बीसीएच की यह जीत मजदूर एकता और संगठित प्रयासों की मिसाल बन गई है। सभी यूनियन सदस्यों और समर्थकों में जीत की खुशी है और उन्होंने इसे आने वाले समय में संगठन को और मजबूत बनाने के लिए प्रेरणा बताया।

338.63 मीटर जलस्तर पर बाणसागर बांध के रेडियल गेट किए गए बंद

देवलौद। बाणसागर बांध में बढ़ते जलस्तर को नियंत्रण में रखते हुए शनिवार शाम को बांध के सभी खुले रेडियल गेट बंद कर दिए गए। यह कार्रवाई शाम 4:50 बजे की गई, जब जलस्तर 338.63 मीटर तक पहुंच गया था। इस निर्णय की पुष्टि पक्का बांध संभाग क्रमांक-3, देवलोंद के कार्यपालन यंत्री इंजीनियर विनोद कुमार ओझा ने की।मुख्य अभियंता, गंगा कछार रीवा के निर्देशों के अनुसार, जल प्रबंधन की दृष्टि से यह आवश्यक था कि जलस्तर को स्थिर किया जाए। बांध की संरक्षा एवं डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु यह कदम तकनीकी मानकों के तहत उठाया गया।बाणसागर परियोजना न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए भी जीवनदायिनी है। इसका जल कई जिलों में सिंचाई, पेयजल और विद्युत उत्पादन के लिए उपयोग होता है। रेडियल गेटों को समय पर बंद कर देने से जल का संरक्षण भी संभव हो पाया है।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में बांध की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। किसी भी प्रकार की आपात या खतरे की स्थिति नहीं बनी है। साथ ही, आस-पास के ग्रामों को भी सूचित कर दिया गया है, जिससे भ्रम की कोई स्थिति उत्पन्न न हो।यह निर्णय किसानों के लिए राहतकारी साबित होगा। गेट बंद होने के बाद बांध में जल भंडारण बना रहेगा जिससे खरीफ की फसलों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा। क्षेत्रीय जलापूर्ति व्यवस्था भी अब बाधित नहीं होगी।स्थानीय प्रशासन और सिंचाई विभाग लगातार स्थिति पर निगरानी बनाए हुए हैं। अधिकारी बांध स्थल पर तैनात हैं तथा प्रत्येक गतिविधि पर नज़र रखी जा रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी असत्य सूचना पर ध्यान न दें।

कुटुंब प्रबोधन की कमी से हो रही लव जेहाद जैसी घटनाएं -अनूप मिश्रा

ब्यौहारी

नगर के अंतर्गत सुंदी बाई केसरवानी हायर सेकेंडरी स्कूल में 20/07/25 को नगर ब्यौहारी मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम मनाया गया कार्यक्रम में सबसे पहले गीत अमृत वचन के बाद मुख्य वक्ता अनूप मिश्रा सहविभाग कार्यवाह का उद्बोधन के बाद गुरु पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ गुरु पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अनूप मिश्रा ने कहा कि आज देश के सामने कई चुनौतियां हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पंच परिवर्तन , स्वदेशी , नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण, सामाजिक परिवर्तन, कुटुंब प्रबोधन को जानकारी दी उन्होंने कहा कि हमें सप्ताह में एक दिन परिवार के सभी सदस्यों के साथ बैठकर बातचीत करना चाहिए और यदि हो सके तो सभी के साथ बैठकर भोजन करना चाहिए आपस में चर्चा करना चाहिए हम मोबाइल के कारण एक दूसरे को समय नहीं दे पा रहें जिसके कारण लव जिहाद जैसी घटनाएं घटित होती प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य की शासकीय संपत्ति की सुरक्षा करें कोई भी शासकीय बिल्डिंग बनती है तो 4 दिन चमकती रहती है उसके बाद हम लोग ही उसका गंदा करते हैं उसके सामानों को तोड़ देते हैं जैसे वह हमारी संपत्ति ही ना हो हर नागरिक को यह कर्तव्य बोध होना चाहिए शासकीय संपत्ति भी अपनी संपत्ति है जनता की टैक्स के पैसे से ही सास की संपत्ति का निर्माण होता है, पर्यावरण की सुरक्षा हर एक व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए राजू घटनाएं हो रही है कहीं ज्यादा बारिश कहीं सूखा यह सब इसी का परिणाम सामाजिक समरसता में हमें किसी के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए सब भारत मां की संतान हैं उद्बोधन के बाद परम पवित्र भगवा ध्वज का पूजन अछत,चावल पुष्प से पूजन कर गुरु दक्षिणा अर्पित किये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लक्ष्मीकांत मिश्रा एडवोकेट खंड कार्यवाह, रवि द्विवेदी विभाग कुटुंब प्रबोधन प्रमुख, सुरेश गुप्ता नगर कार्यवाह,उपेंद्र सिंह जिला धर्म जागरण संयोजक , सहित सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित थे।

सावन के तीसरे सोमवार को शिव भक्ति में डूबा धनपुरी, बोल बम के नारों से गूंज उठा नगर, अमरकंटक से लाया गया पुण्य जल

धनपुरी।

सावन मास के तीसरे सोमवार को नगर के कोने-कोने से शिवभक्तों की टोलियां अमरकंटक की पवित्र यात्रा पर रवाना हुईं। श्रद्धा, भक्ति और शिव प्रेम में डूबे इन श्रद्धालुओं की यात्रा पूरी तरह भक्तिमय और उल्लासपूर्ण रही। धनपुरी के आजाद चौक से भी एक जत्था सुबह-सुबह टू व्हीलर वाहनों से अमरकंटक के लिए रवाना हुआ।इस दौरान श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचकर सर्वप्रथम मां नर्मदा जी के पावन तट पर विधिपूर्वक पूजन कर पवित्र जल एकत्र किया। इसके बाद अमलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर विशाल शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। पूरे मार्ग में ₹बोल बम - हर हर महादेव₹ के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा, जिससे धार्मिक उत्साह चरम पर रहा।इस पावन अवसर पर लखवरिया मंदिर और कोयलांचल क्षेत्र स्थित शंकर मंदिर से भी शिवभक्तों के जत्थे अमरकंटक पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा जी से जल लेकर लखवरिया धाम लौटकर वहां के शिवलिंग पर भावपूर्वक जलाभिषेक किया। यह दृश्य अत्यंत श्रद्धास्पद रहा, जिसमें श्रद्धालुओं की भक्ति और आस्था देखते ही बनती थी।धनपुरी लौटे जत्था खेर मांता स्थिति शंकर मंदिर में पुनः शिवलिंग पर जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा पूर्ण की। नगर के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा और जयघोषों के साथ भक्तों का स्वागत किया। आजाद से लक्ष्मन सोनी, बाबा गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता और अन्य लोग मौजूद रहे पूरी यात्रा में भक्ति, अनुशासन और ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। बोल बम के नारों,भक्तिमय धुनों और शिव भक्ति से ओत-प्रोत इस यात्रा ने नगरवासियों के दिलों को छू लिया।

सीवर लाइन मामले में 5 लोगों पर दर्ज हुई एफआईआर

शहडोल।

जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोनी वार्ड क्रमांक-1 में सीवर लाइन की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से हुई दो बैगा मजदूर भाइयों की मौत के मामले में पुलिस ने अब पांच जिम्मेदारों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद से स्थानीय लोगों और जनजातीय समाज में भारी आक्रोश है। लोग इसे प्रशासन और निर्माण एजेंसी की घोर लापरवाही का नतीजा मान रहे हैं। गुरुवार को हुए हादसे के बाद शुक्रवार को पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (गैर इरादतन हत्या) के तहत एफआईआर दर्ज की है। दर्ज मामले में शामिल पांच आरोपियों में अहमदाबाद की ठेका कंपनी मेसर्स पी.सी. स्नेहल कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. के प्रोजेक्ट मैनेजर आर. राजू और नितेश मित्तल, सुपरवाइजर राहुल साहू, मप्र अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के सब इंजीनियर जेनेन्द्र सिंह यादव तथा निजी सहयोगी पूजा नायक शामिल हैं।

बिना सुरक्षा के उतारे गए गहरे गड्ढे में

मृतक मुकेश बैगा (40) और महिपाल बैगा (33) पहली बार मजदूरी के लिए साइट पर गए थे। वे कुशल श्रमिक नहीं थे, फिर भी उन्हें करीब 15 फीट गहरे गड्ढे में उतार दिया गया, बिना किसी सुरक्षा उपकरण — ना हेलमेट, ना सेफ्टी बेल्ट, ना बूट। यह सीधे तौर पर निर्माण कंपनी और इंजीनियरिंग निगरानी की लापरवाही को उजागर करता है। घटना के बाद करीब 11 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। महिपाल की गर्दन तक मिट्टी भर गई थी, वह आखिरी सांस तक मदद की गुहार लगाता रहा, लेकिन समय पर प्रभावी सहायता न मिल पाने से दोनों भाइयों की मौत हो गई।

समाज में शोक, प्रदर्शन कर जताया आक्रोश

इस दर्दनाक घटना के बाद बैगा जनजातीय समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए गए होते, तो यह हादसा टाला जा सकता था। यह घटना केवल ठेका कंपनी की लापरवाही नहीं, बल्कि प्रशासनिक निगरानी तंत्र की विफलता को भी दर्शाती है। निर्माण स्थलों पर सरकारी एजेंसियों की कोई प्रभावी निगरानी नहीं थी, जो अब सवालों के घेरे में है। अब देखना यह होगा कि पुलिस और जिला प्रशासन इस गंभीर घटना को लेकर क्या ठोस कदम उठाते हैं, या यह मामला भी अन्य हादसों की तरह फाइलों में दफन होकर रह जाएगा। समाज और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी भी गरीब, असुरक्षित मजदूर को ऐसी दर्दनाक मौत का शिकार न बनना पड़े।

नशे से दूर रहकर विद्यार्थी जीवन को सकारात्मक दिशा में बढ़े आगे: पुलिस उप महानिरीक्षक

विद्यार्थियो ने लगाए नशे से दूरी है जरूरी के नारे लगाते हुए निकाली गई जागरूकता रैली

शहडोल। पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सविता सुहाने की उपस्थिति में थाना ब्यौहारी अंतर्गत भारतीय विद्यालय ब्यौहारी में नशे के दूरी है जरूरी अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस उप महा निरीक्षक सुश्री सविता सुहाने ने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य के लिए घातक है, बल्कि परिवार एवं समाज के लिए भी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। नशे से दूर रहकर अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाएँ। साथ ही अभिभावकों एवं समाज के सभी वर्गों से भी सहयोग की अपेक्षा की गई है कि वे इस अभियान में सहभागी बनें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें। साथ ही नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सविता सुहाने के नेतृत्व में विद्यार्थियो ने जन जागरूकता रैली निकाली तथा हमारा है यही संदेश, नशा मुक्त हो मध्यप्रदश, नशे से दूरी है जरूरी जैसे नशा मुक्ति संबंधित अन्य नारे लगाए। कार्यक्रम में थाना प्रभारी अरूण कुमार पाण्डेय सहित विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

जमीनी विवाद पर परिवार दो पक्षों में मारपीट

अनूपपुर। नगर के वार्ड क्रमांक 5 पुरानी बस्ती में एक ही परिवार के लोगों द्वारा जमीनी विवाद पर अभद्रता करते हुए मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। जमीन सीमांकन के दौरान हुए विवाद पर कमलेश मिश्रा की पुत्री आंचल मिश्रा एवं उसकी छोटी बहन से मारपीट किए जाने की शिकायत पर राजेंद्र मिश्रा, मुन्नी बाई एवं सपना के खिलाफ विवेचना कार्यवाही की गई है। बताया जाता है कि मंगलवार को राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में जमीन का नाप हो था इस दौरान परिवार के ही लोगों द्वारा आपस में विवाद करते हुए गाली गलौज एवं मारपीट की घटना की गई। आंचल मिश्रा एवं छोटी बहन को आई चोट पर शिकायत एवं मेडिकल पर पुलिस ने बड़े पिता राजेंद्र मिश्रा, चाची मुन्नी बाई एवं चचेरी बहन सपना के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करते हुए जांच की जा रही है। जमीनी विवाद पर हुए मामले में दूसरे पक्ष के द्वारा भी शिकायत की की गई है।

जिले में 6.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 6.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र कोतमा में 3 मिली मीटर, बिजुरी में 3.8 मिली मीटर, अमरकंटक में 44 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 3.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, जैतहरी, वेंकटनगर तथा पुष्पराजगढ़ में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

अर्द्ध घुमंतू समुदाय के विद्यार्थियों को सीड योजना के तहत प्रदान की जाएगी निःशुल्क कोचिंग

अनूपपुर। शासन द्वारा विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू समुदाय के विद्यार्थियों के लिए सीड योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं यूपीएससी, एमपीपीएससी, आरआरबी, क्लैट, जेईई, नीट, सीएटी, सीएमएटी, एनडीए आदि की पूर्व तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान की जाती है। योजना के तहत निःशुल्क ऑनलाईन और रूम कोचिंग के लिए पात्र विद्यार्थी 03 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए डीएनसी, एनसी या एसएनसी श्रेणी से संबंधित ऐसे छात्र-छात्राएं जो कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर चुके हों या वर्तमान में अध्ययनरत हैं और परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रू से अधिक ना हो, वह विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने वाले विद्यार्थी किसी अन्य सरकारी योजना से समान लाभ प्राप्त ना कर रहे हों। कोचिंग शुल्क हेतु अधिकतम 1,20,000 रू की राशि प्रदान की जाएगी। आवेदन हेतु आवेदक के पास आधार कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटो, वर्तमान क्लास का प्रमाण, पिछली कक्षा का रिजल्ट, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक और एनटी या डीएनटी प्रमाण पत्र होना जरूरी है। विद्यार्थी को वेबसाईट पर आवेदन करना होगा।

बीते 24 घंटे में जिले में 4.2 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 4.2 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र बिजुरी में 2.6, जैतहरी में 22, वेंकटनगर में 1, पुष्पराजगढ़ में 2.4, अमरकंटक में 3.8 तथा बेनीबारी में 2.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर तथा कोतमा में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

जिले में "नशे से दूरी है जरूरी" अभियान 30 जुलाई तक चलेगा

अनूपपुर। नशीले पदार्थों का सेवन एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो व्यक्ति, परिवार और समाज को प्रभावित करती है। यह न केवल व्यक्तियों के स्वास्थ्य को खतरे में डालती है, बल्कि अपराधों में वृद्धि का भी एक प्रमुख कारण है। इस गंभीर समस्या से समाधान के लिए और एक स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु "नशे से दूरी है जरूरी" नशामुक्ति जनजागृति अभियान पूरे मध्यप्रदेश के साथ ही अनूपपुर जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ हो गया है। यह नशा मुक्ति अभियान 30 जुलाई तक चलेगा। जिसमें नशा पीड़ित व्यक्तियों को पुर्नवास की व्यवस्था करते हुए उन्हें नशामुक्त बनाया जाएगा। साथ ही जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों सहित विभिन्न संस्थानों में नशामुक्त से संबंधित सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

पंचायत सचिव, सहायक सचिव व मोबिलाईजरों ने संयुक्त रूप से सौंपा ज्ञापन

ई-अटेंडेंस के खिलाफ पंचायत कर्मियों ने बुलंद की आवाज

मांगें नहीं माने जाने पर आंदोलन की भी दी चेतावनी

मध्यप्रदेश पंचायत सचिव सहायक सचिव मोबिलाईजर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले जिले के पंचायतकर्मियों ने ई अटेंडेंस का विरोध करते हुये संयुक्त रूप से कलेक्टर के नाम जनपद सीईओ को ज्ञापन सौंपा।

हरिभुमि न्यूज अनूपपुर।

जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़, कोतमा, अनूपपुर, जैतहरी मे सामूहिक रूप से जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ई-अटेण्डेंस को लेकर ज्ञापन सौंपा गया जिसमें उल्लेख किया गया कि हम फील्ड वर्ग के कर्मचारियों को ई-अटेण्डेंस से मुक्त रखा जाये।

ज्ञापन में यह रखी मांग

ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि हम सभी कर्मचारी ग्रामों के अंतिम छोर में 24 घंटे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार विशेष अभियान के तौर पर बरसात, गर्मी या रात्रि की बगैर परवाह किये दिन रात असमय खेत खलिहान टोला मजरा मोहल्ला, घर-घर जाकर कार्य करते है, जिसमें समय की कोई पाबंदी नहीं होती है हम लोगो के कार्य आफीशियल वर्क न होकर सभी कार्य विशेष अभियान और टारगेट बनाकर समय-सीमा में कराया जाता है। जिसमें हमारा जिला प्रदेश अपितु देश में अव्वल रहा है तथा कई बार सम्मानित भी हुआ है।

विभागीय कार्य के अतिरिक्त भी लिये जाते हैं कार्य

ज्ञापन मे बताया कि हम लोगों से विभागीय कार्य के साथ साथ और भी अतिरिक्त कार्य कराये जाते है जिसमे मनरेगा में सुबह 6 बजे साईड पर लेबर लगाना, आनलाईन हाजरी दर्ज करना, जियो टैग करना, सार्वजनिक विकास कार्य समय सीमा में पूर्ण कराना, प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियो की फोटो जियो टैग करना, जन्म-मृत्यु समग्र ई के वाईसी करना सीएम हेल्प लाईन बन्द कराना, अतिवृष्टि बाढ़ के समय लोगों को जागरूक करना, राजस्व अभियान - खसरा ई-केवाईसी फार्मर रजिस्ट्रेशन, स्वास्थ्य विभाग, आयुष्मान कार्ड, वैक्सीनेशन कोरोना महामारी कार्य, महिला बाल विकास लाडली बहना योजना कुपोषण अभियान, कृषि विभाग प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, शिक्षा विभाग बच्चों का जाति प्रमाण पत्र, दुर्गा पूजा, गणेश विसर्जन एवं होली आदि त्यौहारों पर सौहार्द वातावरण निर्माण करना आदि स्थानीय मेला हाट बाजार व्यवस्था, व्हीआईपी आगमन पर कार्य कराया जाता है जिसमे समय की कोई पाबंदी नही होती है। उपरोक्त कार्य प्रायः सभी आनलाइन होते है जिसे समय सीमा में पूर्ण करना होता है परंतु दूर-दराज के गावों में नेटवर्किंग, बिजली की समस्या बनी रहती है।

अवकाश के दिनों में भी लिया जाता कार्य

मंत्री, सांसद, विधायक सहित अन्य प्रतिनिधि संगठन के पदाधिकारी आये दिन किसी न किसी कार्य से शासन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर बुलाया जाता है। जिसमें कोई समय सीमा नहीं होती है। इसके साथ ही कोई न कोई कार्य विशेष अभियान चलाकर शासकीय अवकाश के दिनों में जब सभी कार्यालय बंद रहते है जैसे प्रत्येक शनिवार, रविवार को कार्य करने के साथ मीटिंग, प्रशिक्षण आदि आयोजित किया जाता है जिसमे जिला सहित जनपद में बुलाया जाता है।

सम्भव नहीं ई-अटेण्डेंस लगाना

पंचायत सचिव व रोजगर सहायकों का स्थानांतरण पदस्थापना लगभग 60 से 80 किलो मीटर दूर तक अन्य जनपदों में किया गया है जिस कारण आये दिन कोई न कोई समस्या आती रहती है जिस कारण आये दिन कई साथी दुर्घटना के शिकार हुये है और गम्भीर बिमारीयों से ग्रसित हुये है साथ ही प्रतिदिन सुबह 10 बजे व शाम को 6 बजे जाकर ई-अटेण्डेंस लगाना सम्भव नही है। ज्ञापन के माध्यम से अनुरोध किया गया कि जो कर्मचारी कार्यालय में बैठकर अपने सेवाएं दे रहें है उनके लिए ई-अटेण्डेंस उपयुक्त है, परंतु फील्ड के कर्मचारियों को ई-अटेण्डेंस से मुक्त रखा जाये। कार्यवाही के अभाव से संयुक्त मोर्चा आंदोलन के लिए बाध्य होगा जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी।

कोतमा में भी मुखर हुये विरोध के स्वर

ई एटेंडेंस के विरोध में सचिव, रोजगार सहायक और मोबिलाईजर संघ के संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में सचिव संघ के जिला अध्यक्ष गरुड़ सिंह, रोजगार सहायक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रभान यादव, ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती सुषमा रानी पांडे, रोजगार सहायक के ब्लॉक अध्यक्ष थारेंद्र कुमार चंद्रा, मोबिलाइजर संघ के ब्लॉक अध्यक्ष दीपक पटेल, अंबिका शुक्ला, तुलसी शर्मा, सतानंद शर्मा, नील मिश्रा, राजू सोनी, शारदा पांडे, श्रवण द्विवेदी, राजेश कुमार गुप्ता, अमित गुप्ता, मनोज कुमार जायसवाल, अर्चना सिंह, आरती देवी केवट, अंजनी सिंह के साथ सभी संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित होकर सामूहिक ज्ञापन दिए।

बाल बाल बचा युवक, ग्रामीणों ने की वन कर्मियों से बहस

जिले में पहुंचते ही हाथियों का ताण्डव शुरू

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

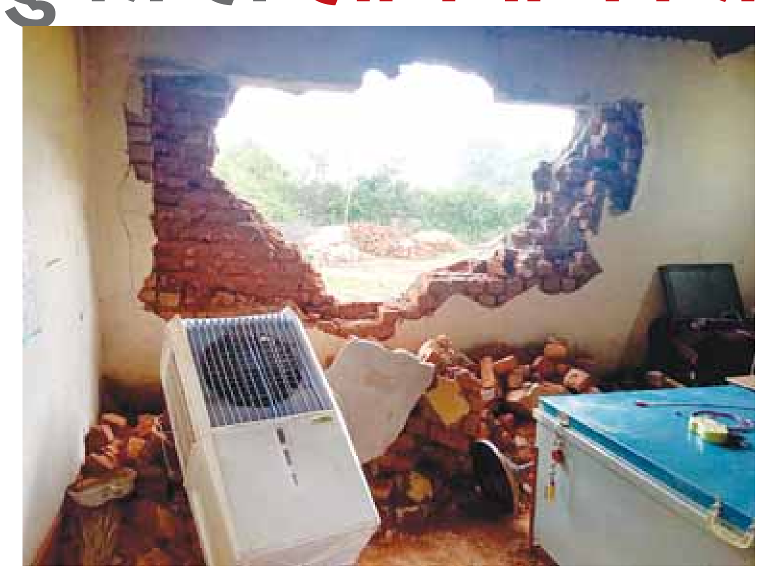

चार हाथियों को समूह तीन दिनों के मध्य औढरा से गोबरी से जैतहरी नगर हो कर बुधवार की सुबह कुसमहाई के जंगल में पहुंचकर ठहरे हुए हैं। हाथियों के द्वारा तीन दिनों के मध्य 6 ग्रामीणों के मकानो में तोड़फोड़ कर एवं कई किसानो के खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाया है विगत रात जैतहरी के लहरपुर,मुर्रा गांव में एक युवक हाथियों के नजदीक जाने से हाथियों के चिंघाडने, दौड़ाने पर बाल बाल बचा वही हाथियों के समूह से कई वर्षों से परेशान ग्रामीणों ने वनविभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ कई घंटे तक हाथियों की समस्या को लेकर बहस करते रहे हैं। ज्ञात हो कि चार हाथियों का समूह जो लगभग 40 दिनों से एक बार फिर छत्तीसगढ़ राज्य से आकर अनूपपुर जिले के साथ डिंडौरी,उमरिया एवं शहडोल जिले में विचरण करने बाद अनूपपुर जिले के बड़हर,किरर से सोमवार की सुबह औढेरा गांव से लगे जंगल में ठहरने बाद शाम/रात होते ही औढेरा से अकुआ से खोलईया, केकरपानी में सुदामा पटेल के खेत में फसल नुकसान कर दुधमनिया, बांका से ठेंगरहा, गोबरी में रात के समय लालजी सिंह, गुड्डा सिंह, गुड्डी बाई के कच्चे मकानो में तोड़फोड़ कर रामप्रसाद एवं यशवंत सिंह के खेतों में फसल, सब्जी खाते मंगलवार की सुबह ग्राम पंचायत एवं ग्राम तथा वन बीट गोबरी के जंगल में ठहरने बाद शाम होते ही जैतहरी-राजेंद्रग्राम मुख्य मार्ग को गोबरी गांव के डियो राड के पास से पार कर गोबरार नाला से तिपान नदी के पुल के पास नत्थू भरिया के खेत में लगे फसल को खाते, नुकसान करते देर रात तिपान नदी पार कर नगर परिषद जैतहरी के वार्ड क्रमांक 4 एवं 15 बंजारी टोला पहुंचकर बंजारीटोला निवासी पाठक के खेत में लगी फसल को नुकसान करते रेलवे लाईन पार कर जैतहरी बस स्टैंड से लहरपुर पंचायत के लहरपुर,मुर्रा के गोडान्न टोला निवासी जवाहर पनिका,कन्धू पनिका एवं गोपीचंद पनिका के कच्चे मकान में तोड़फोड़ कर मकान के अंदर रखे विभिन्न तरह के खाने की सामग्री को अपना आहार बनाया इस बीच एक युवक के द्वारा हाथियों को भगाए जाने के लिए लाठी लेकर हाथियों के नजदीक जाने पर हाथियों के द्वारा चिंघाड़कर दौड़ाने से भाग कर बाल बाल बचा। इस युवक को वनविभाग एवं पुलिस विभाग की गस्ती दल के साथ जागरूक ग्रामीणों द्वारा भी हाथियों से दूर रहने की बात कहीं रही लेकिन युवक मना करने पर भी नहीं मान रहा था। कई वर्षों से निरंतर हाथियों के आने-जाने विभिन्न तरह के नुकसान करने से परेशान सैकड़ो ग्रामीणों ने कई घंटे तक वनविभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों से बहस करते हुए हाथियों के आवागमन को रोकने के लिए शासन स्तर,जिला स्तर से कोई ठोस उपाय किए जाने की बात कही। इस दौरान हाथियों का समूह धनगवां बीट के कुसुमहाई एवं चोई गांव से लगे जंगल में पहुंचकर ठहरे हुए है हाथियों यह समूह छत्तीसगढ़ राज्य की ओर वापस जाने के इरादे में है। ग्रामीणों द्वारा इसके पूर्व आए हाथियों के समूह द्वारा ग्रामीणों के मकान एवं फसलों के किए गए नुकसान का अब तक मुआवजा नहीं मिल पाने से नाराजगी दिखाई दे रही हैं।

स्मार्ट क्लासेज से मिली सफलता

धनंजय राठौर बने ऑडिट ऑफिसर, नप अध्यक्ष ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज जैतहरी।

नगर परिषद जैतहरी द्वारा संचालित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लाइब्रेरी एंड स्मार्ट क्लासेज में अध्ययनरत धनंजय राठौर ने सफलता हासिल की है। उन्होंने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक मे ऑडिट ऑफिसर पद पर फाइनल चयन प्राप्त किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर नगर परिषद जैतहरी अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने धनंजय को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। अध्यक्ष श्री गुप्ता ने कहा कि "यह न केवल धनंजय राठौर की व्यक्तिगत मेहनत और समर्पण का परिणाम है, बल्कि डॉ. कलाम पुस्तकालय एवं स्मार्ट क्लासेज जैसी सुविधाओं का भी प्रतिफल है, जिसे नगर परिषद ने युवाओं को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन वातावरण देने के उद्देश्य से प्रारंभ किया था। उन्होंने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य ही यही है कि जैतहरी जैसे कस्बाई क्षेत्रों के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और समाज के लिए प्रेरणा बनें। जल्द ही धनंजय राठौर जैसे सफल अभ्यर्थियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा ताकि अन्य युवाओं को भी ऐसे उदाहरणों से प्रेरणा मिले। धनंजय राठौर ने अपनी सफलता का श्रेय पुस्तकालय की शांति, संसाधनों की उपलब्धता, डिजिटल अध्ययन कक्ष और वहाँ के सहयोगी वातावरण को दिया। उन्होंने कहा कि जैतहरी जैसे छोटे नगर में ऐसी सुविधा होना किसी वरदान से कम नहीं है। नगर परिषद सीएमओ भूपेन्द्र सिंह एवं अन्य पार्षदों ने भी शुभकामनाएं दी।

सकरा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

श्रीमती माया विश्वलाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के निर्देशानुसार, ग्राम बैरीबांध के शासकीय माध्यमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र में एवं ग्राम जमुड़ी के एकीकृत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र में तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम सकरा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित विनोद कुमार वर्मा न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर ने तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवाऐं योजना, 2015 व बच्चों के मैत्रीपूर्ण सेवाऐं योजना, 2024 के विषय में कानून जानकारी दी। इसीक्रम में बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी ने जागृति-जमीनी स्तर पर सूचना और पारदर्शित पहल के लिए न्याय जागरूकता योजना, 2025 के विषय में, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना, टोल फ्री 15100 एवं 13 सितम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत के संबंध में जानकारी दी। उक्त शिविरों में, भारती वंशकार प्रा0 शिक्षक, सुधा देवी पटेल प्रा0 शिक्षक, फुलकुमार एक्का प्रा0 शिक्षक, छविलाल साहू प्रभारी प्रधानाध्यापक, आर0पी0 सोनी प्राचार्य, जसवंत सिंह बांधव, उपेन्द्र मिश्रा एवं अन्य शिक्षकगण तथा पैरालीगल वालेंटियर रामखेलावन पटेल, शिवकांत सोनी एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। शिविर के अंत में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम सकरा में "पंच-ज" अभियान के तहत विद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।

कठना नदी की पुल क्षतिग्रस्त से बड़ी दुर्घटना की आशंका, जिम्मेदार बेखबर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शहडोल अनूपपुर की सीमा में बनी रामपुर खांडा के बीच बन कठना नदी की पुल क्षतिग्रस्त हो गई है। पुल पर बड़े-बड़े गड्ढे होकर उखड़ चुके हैं जिसमे सीमेंट ब्लॉक्स साफ़ तौर पर खतरे की घंटी बजा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और राहगीरों की मानें तो यह पुलिया अब इतनी जर्जर हो चुकी है कि कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। खासकर बारिश के मौसम में इस रास्ते से गुजरना बेहद जोखिम भरा हो गया है। पुलिया की सतह पर गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिनमें दोपहिया वाहन फंसकर गिर सकते हैं वही भारी वाहन गुजरने से पुलिया और अधिक दरक रही है। अनूपपुर जैतपुर को जोड़ने वाली इस मुख्य मार्ग से अधिकारी भी रोजाना आवागमन करते हैं, इसके बाद भी प्रशासन और विभागीय अधिकारी मौन हैं वही कोई चेतावनी बोर्ड या बैरिकेड भी नहीं लगाए गए हैं। कालरी होने के कारण इस रास्ते से 24 घंटे भारी वाहन गुजरते हैं। अब तक इस क्षतिग्रस्त पुलिया को लेकर किसी भी जिम्मेदार विभागीय अधिकारी द्वारा न तो स्थल निरीक्षण किया गया है और न ही मरम्मत की कोई प्रक्रिया शुरू की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी और राहगीरों ने मांग की है कि: पुलिया की तत्काल मरम्मत की जाए। जब तक मरम्मत न हो, अस्थाई सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

भय के साये में देश के भविष्य कर रहे शिक्षा, अर्जन जिम्मेदारों ने झाड़ा पल्ला, कोरम पूर्ति तक कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम।

जनपद के ग्राम पंचायत धरहर कला में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला गणेश टोला में विद्यालय का भवन जर्जर हालत में है। छत से पानी टपकता है छत टूट कर नीचे गिर रही है जहां भय के माहौल में पढ़ रहे 38 छात्र-छात्राओं का जीवन खतरे में है। देश के भविष्य कहे जाने वाले विद्यार्थियों को बैठकर पढ़ने की जगह ही उपलब्ध नहीं है तो देश का भविष्य कैसे उज्जवल होगा। विद्यार्थी किताब लेकर इधर-उधर छिपते रहते हैं कि कहीं सिर पर छत न टूट कर गिर जाए। इस भय के कारण अभिभावक बच्चों को स्कूल नहीं भेजते विद्यार्थियों को विद्यालय में ना तो बैठने की जगह है ना मध्यान्ह भोजन बनाने के लिए किचन सेड है न ही बैठकर खाना खाने की जगह है। विद्यालय में बने अतिरिक्त कक्ष में जगह-जगह पानी भरा है वहीं बैठकर विद्यार्थी भोजन करते हैं। विद्यालय में ना तो पानी की व्यवस्था है ना ही शौचालय की, यहां पदस्थ अध्यापिका पूनम सैनी बताती हैं कि हमने कई बार उच्च अधिकारियों को इस बारे में कई वर्षों से पत्र दिया लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। इस मामले मे लखौरा संकुल के जन शिक्षक सन्तोष कुमार ने बताया कि मैंने बीआरसी कार्यालय में लिखित में पत्र दे दिया है। कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

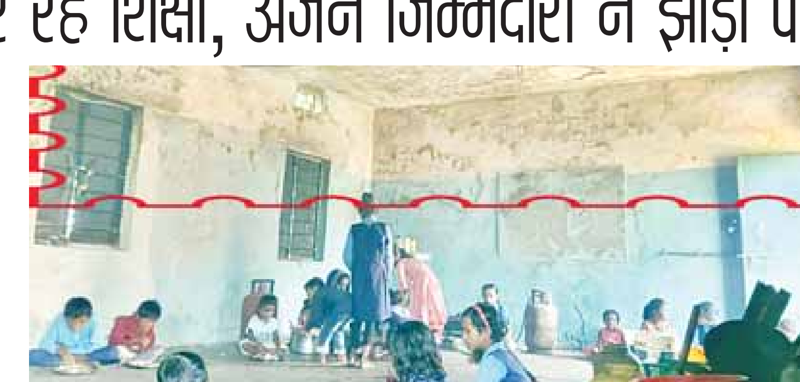

इनका कहना है

मैं आज ही जाकर देखता हूं, पास के किसी दूसरे भवन में विद्यालय संचालित किया जाएगा।

हर प्रसाद तिवारी
बीआरसी पुष्पराजगढ़